POLITICAL SCIENCE Dep.
B.A - 2 (Sub.)

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College, Tajpur
Samastipur

संरचनात्मक प्रकार्यात्मक उपागम के चरण

आमंड ने राजनीतिक व्यवस्था की संरचनात्मक - प्रकार्यात्मक व्यवस्था में ईस्टन के समान ही तीन चरण स्वीकार किए हैं -

1. राजनीतिक व्यवस्था के निवेश
2. रूपान्तरण प्रक्रिया
3. राजनीतिक व्यवस्था के निर्गत।

राजनीतिक व्यवस्था के निवेश के लिए आमण्ड मांगों तथा समर्थनों को स्वीकार करते हैं। उनके अनुसार निवेश के रूप में आने वाली मांगों की चार श्रेणियाँ होती हैं —

1. वस्तुओं एवं सेवाओं के वितरण संबंधी मांगें।
2. व्यवहारों को नियंत्रित करने संबंधी मांगें।
3. राजनीतिक सहभागिता संबंधी मांगें।
4. संचार से संबंधित मांगें।

मांगों की तरह आमंड ने समर्थन को भी चार श्रेणियों में विभक्त किया गया है —

1. द्रव्यात्मक समर्थन
2. आज्ञाकारिता के समर्थन

(3) सहभागिता के समर्थन
(4) श्रद्धात्मक समर्थन

आमण्ड के व्यवस्था विश्लेषण की प्रमुख देन रूपान्तरण प्रक्रिया से संबंधित है। उन्होंने निर्गतों के चार विभिन्न प्रकार माने हैं –

(1) उगाहने वाले निर्गत।
(2) नियामक निर्गत।
(3) वितरणी निर्गत।
(4) प्रतीकात्मक निर्गत।

निर्गतों में पहली श्रेणी का संबंध कर वसूली, व्यक्तिगत सेवाएँ और सहयोग है। दूसरे में मानव व्यवहार को नियमित और नियंत्रित करना सम्मिलित है। वितरणात्मक निर्गत में वस्तुओं, सेवाओं, सम्मानों आदि का आवंटन है। प्रतीकात्मक निर्गत मूल्यों की पुष्टि, राजनीतिक प्रतीकों का प्रदर्शन आदि से संबंधित हैं।

इसप्रकार हम देखते हैं कि राजनीतिक व्यवस्था में वस्तुओं और सेवाओं संबंधी मांग के रूप में निवेश निर्धारित होते हैं। इनमें निर्गत के के माध्यम से निवेशों का रूपांतरण होता है।

Dr. Husna Ara
Asst Professor

Scanned with CamScanner